

27  $\frac{5}{19}$

पत्रावली पेशा दुर्घा वकील प्रार्थी उपर  
है। पत्रावली का आद्योपान्त अवलोकन  
किया गया। प्रार्थी द्वारा प्रा० पत्र के  
लक्ष्य, वांछित अनुतोषादि, पैतृकार  
साक्षर के जवाब, एवं अपने प्रा०-पत्र  
में वांछित अनुतोषादि के समर्पण  
में प्रस्तुत दस्तावेजात का उकल के  
संबंध में लक्ष्यक विचार किया  
गया।

प्रार्थी: द्वारा स्वसरा नम्बर 411 व  
412 वाक माल मौजा साँडपुर एवं

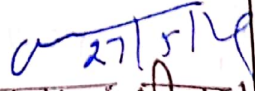
20/5/19

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुकम की तारीख में जारी हुए
	<p>             खसरा नं० ५०१ के मध्य स्थित खसरा              नम्बर ५१० का सड़क के रूप में दर्ज              किया जाने का ठीक अनुसंधान चला              है।              जवाब साकार में अंकित है, कि खसरा              नं० ५१० में सड़क की मरी' दर्ज' रखा था              अपने जवाब में पेटेकार साकार द्वारा              रिकार्ड एवं मॉक (डोनों का) का मंजूरी              लक्ष्य भी प्रेष किया था।              रिकार्ड में खसरा नं० ५१० किसान              सुभ नारायण के नाम पर दर्ज रिकार्ड              हैं। प्रामाणिकता उक्त खसरा नम्बर              का मॉक अनुसार P.W.D. विभाग              के नाम दर्ज कलवाना चाहते हैं।              पाल्के प्रामाणिकता द्वारा न तो P.W.D.              का पत्रकार बनाया और न ही              प्रकृत वर्गित खसरा नं० ५१० के रिकार्ड              खालेदार का पारी बनाया। यदि प्रामाणिक              के कर्मनानुसार रिकार्ड रीवेन्ड की              खालेदारी की सूचि का बिना उस              पुन सड़क के रूप में मॉक के              अनुसार दर्ज करने के आदेश              से रिये जाते हैं, तो इस खसरा नं०           </p>	

27/5/14

<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
	<p>पा० के खालेदार के खालेदारी स्वत्व पर विपरीत प्रमाण पड़ेगा। किसी पक्ष को बिना सुन उसके विकल्प आदेश जारी किया जाना शकलिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है।</p> <p>यदि ख० नं० पा० पर भौक पर सड़क बनी हुई है, तो क्या उक्त श्रमिक श्रमि अर्जम अधिनियम के तहत अधिग्रहीत किया गया है? क्या उक्त श्रमिक के खालेदार ने मुआवजा प्राप्त किया? इत्यादि प्रश्न अनुत्तरित हैं।</p> <p>प्रकरण में महकमा बनौबसा अथमा रेवेन्यू अहलकालत द्वारा जमींगीत के हिलों के विपरीत किसी प्रकार की भुटि राजस्व अभिलेख में जारी की गई है, और जिले राजस्वत श्र-राजस्व अधिनियम 1956 के सुसंगत प्रावधानों का धारा 136 में यथा विहित है के अन्तर्गत हुकम किया जा सके, ऐसी भुटि जमींगीत के द्वारा प्रमुख इम्पोज के प्रमाणित नहीं होती है। साथ ही साथ जमीनों के प्रकरण के हितबद्ध पक्षकार किसानों प्रम नातान को भी पारी</p>	

27/5/14

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>नहीं बनाया गया है, ऐसी सूत्र में उसका पत्र भी नहीं बुना जा सकता। प्रकरण Non-Juinder of parties का नोष है।</p> <p>प्रार्थना का प्रा० फर L.R. Act 1956 की शरामतों को फुलफिल नहीं करता। प्रार्थना का प्रार्थना फर पोषणीय नहीं होने से स्वादिष्ट किया जाता है। फरामती नम्बर से कम ही बाद लालीक लकनीक फलक सुभाह होकर दालिक दम्भार हो।</p> <p>निर्णय आज दिनांक 27-5-19 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर विश्व-न्यायालय में सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">             (निर्मनलाल मीणा)            R.A.S.         </p>	